आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 28.11.2025 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने देहरादून में आयोजित विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित किया। आपदाओं से निपटने के लिए विश्व स्तर पर ठोस रणनीति की आवश्यकता पर बल दिया।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 2027 कुंभ के दिव्य और भव्य आयोजन के लिए अखाड़ों के संतों के साथ बैठक की। कुंभ स्नान की महत्वपूर्ण तिथियों की घोषणा भी की।
- पिथौरागढ़ जिला प्रशासन ने आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा के लिए इनर लाइन परमिट को पहली दिसंबर से बंद करने का निर्णय लिया।
- देहरादून में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का तीन दिवसीय 71वां राष्ट्रीय अधिवेशन शुरू।

विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन

देहरादून में आज विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन शुरू हो गया है। उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद– यूकॉस्ट द्वारा आयोजित सम्मेलन में केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने वीडियो संदेश के माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विश्वभर में जलवायु परिवर्तन और मानवजनित कारणों से आपदाओं की घटनाओं में वृद्धि हुई है, जिसके लिए वैश्विक स्तर पर ठोस रणनीति की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन की दृष्टि से अंतरराष्ट्रीय पटल पर हिमालय को निरंतर केंद्र में रखने की आज आवश्यकता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आधुनिक तकनीकों, अनुसंधान और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से भविष्य की आपदाओं से समुचित रूप से निपटा जा सकता है।

तीन दिन तक चलने वाले इस सम्मेलन में देश–विदेश के विशेषज्ञ आपदा प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, वैज्ञानिक नवाचार और तकनीकी विकास पर मंथन करेंगे।

मुख्यमंत्री / कुंभ बैठक

हरिद्वार में वर्ष 2027 में होने वाले कुंभ के भव्य आयोजन के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज हरिद्वार में गंगा किनारे सभी तेरह अखाड़ों के आचार्यों और संतों के साथ बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कुंभ स्नान की महत्वपूर्ण तिथियों की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि कुंभ से जुड़े सभी निर्णयों में संतों की परम्पराओं, आवश्यकताओं और सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों की प्रेरणा, सुझाव और आशीर्वाद के बिना इस महायोजना की पूर्णता की कल्पना भी संभव नहीं है। मुख्यमंत्री ने

कहा कि सरकार का प्रयास है कि सभी के अमूल्य सुझावों से कुंभ 2027 की तैयारियों को और अधिक व्यापक, सुव्यवस्थित और संत समाज की अपेक्षाओं के अनुरूप बनाया जा सके।

जंगली जानवर/बैठक

रुद्रप्रयाग जिले में गुलदार, भालू और अन्य जंगली जानवरों की बढ़ती सक्रियता को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने आज संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में जंगली जानवरों की गतिविधियों, प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति और नियंत्रण उपायों पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में जंगली जानवरों की घटनाएं अधिक हो रही हैं, वहां वन विभाग नियमित गश्त सुनिश्चित करे और सुरक्षा उपायों को और प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने गुलदार, बाघ और भालू के सक्रिय क्षेत्रों की पहचान कर फील्ड कर्मचारियों और स्थानीय ग्रामीणों के साथ विशेष जन–जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि महिलाओं को जंगलों में अकेले घास काटने जाने से रोका जाए और उन्हें समूह में जाने की सलाह दी जाए।

आदि कैलाश यात्रा

पिथौरागढ़ जिला प्रशासन ने आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा के लिए जारी किए जाने वाले इनर लाइन परमिट को पहली दिसंबर से बंद करने का निर्णय लिया है। धारचूला के उपजिलाधिकारी जितेन्द्र वर्मा की ओर से जारी आदेश में बताया गया है कि बीआरओ से मिली रिपोर्ट के अनुसार पार्वती कुण्ड क्षेत्र में तापमान बेहद गिर चुका है और बर्फ जमना शुरू हो गई है, जिससे मार्ग असुरक्षित हो गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों से स्थानीय लोगों का प्रवास शुरू हो चुका है और यात्रा के लिए आवश्यक इनर लाइन परमिट के लिए आवेदन संख्या भी बेहद कम है। इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए जिला प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

एबीवीपी राष्ट्रीय अधिवेशन

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद– एबीवीपी का तीन दिवसीय 71वां राष्ट्रीय अधिवेशन आज देहरादून में शुरू हो गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन– इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ ने अधिवेशन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भारत ने अंतरिक्ष सहित कई अन्य क्षेत्रों में काफी प्रगति की है। उन्होंने कहा कि देश के युवा भारत को विश्व गुरू के रूप में देखना चाहते हैं और हमें इसी संकल्प के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

अधिवेशन में देशभर से डेढ़ हजार से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। इस दौरान समाज, शिक्षा, पर्यावरण और सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन मंथन किया जाएगा।

पुस्तक मेला

बागेश्वर में बीडी पांडे कैम्पस में आज से दो दिवसीय निःशुल्क पुस्तक मेला आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्रों को विश्वविद्यालय स्तर की महत्वपूर्ण पुस्तकों का निःशुल्क वितरण किया गया। कैंपस के निदेशक कमल किशोर ने बताया कि इन पुस्तकों में विभिन्न विषयों की पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ ग्रंथ और प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित अध्ययन सामग्री शामिल है। उन्होंने कहा कि ये पुस्तकें खासतौर पर उन विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होंगी, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं।

मेले में पुस्तकों का लाभ उठा रही छात्रा लता उपाध्याय ने कहा कि निःशुल्क पुस्तक मेले में उपयोगी किताबें पाकर उन्हें काफी अच्छा लगा।